THE

PARLIAMENTARY DEBATES

OFFICIAL REPORT

IN THE FORTY-FIRST SESSION OF THE RAJYA SABHA

Commencing on the 8th November, i962Jthe 17th Kartika 1884 (Saka)

RAJYA SABHA

Thursday, *the 8th November,* 1962/ *the nth Kartika,* 1884 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in 'the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

भारत में प्लेग की पुनरावृत्ति

***१. श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले महीने नई दिल्ली में हुई विश्व स्वास्थ्य संगठन की पंद्रहवीं क्षेत्रीय समिति की बैठक में भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने विश्व स्वास्थ्य संगठन का ध्यान भारत में प्लेग की पुनरावृत्ति के बढ़ते हुए खतरे की ओर दिलाते हुए तुरन्त ही स्थिति में सुधार करने का अनुरोध किया था; और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो इस सम्बन्ध में जो अध्ययन किये गये हैं, उनके अनुसार देश में प्लेग की कितनी घटनायें हुई और कौन कौन से स्थान इससे प्रभावित हैं और क्या इसका मूल कारण मालूम किया जा सका है और भारत सरकार की ओर से इस सम्बन्ध में क्या उपचारात्मक कार्यवाही की जा रही है?

[RECURRENCE OF PLAGUE IN INDIA.

•1. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HEALTH ibe pleased to state:

(a) whether it is a fact that in the fifteenth session of the World Health Organsiation Regional Committee held in New Delhi during the last month, the Director General of Health Services of the Government of India drew the attention of the World Health Organisation to the increasing danger of the recurrence of plague in India and appealed for improving the situation immediately; and

Ob) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what is the incidence of plague in the country and what are the places which have been affected by it according to the studies that have been carried out in this regard and whether its root cause could be detected and what remedial steps are being taken in this regard by the Government of India?]

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) जी हां।

(ख) प्लेग की घटनाओं और प्रस्तावित स्थानों के बारे में की अपेक्षित सूचना का एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है। **[देखिये परिशिष्ट ४१, अनुपत्र संख्या १]** गत अनेक वर्षों में बार बार डी० डी० टी० लगने के फलस्वरूप पिस्सुओं के डी० डी० टी० सहिष्णु हो जाने के कारण ही सम्भवत: प्लेग की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

†[ ] English translation.

मैसूर, मद्रास और आंन्ध्र प्रदेश के राज्यों को सलाह दी गई है कि वे सह–कारिता से काम करें और इन राज्यों में प्लेग फोक्स को समाप्त करने के लिये सक्रिय कार्यवाही करें ।

†[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR) : (a) Yes, Sir.

(b) A statement giving the requisite information with regard to the incidence of plague and the places affected has been placed on the Table of the Sabha. [See Appendix XLI, Annexure No. 1.]

The increase in the incidence of plague is presumably due to the fact that the flea population has become resistant to DDT due to repeated exposure to the chemical during the last several years.

The States of Mysore, Madras and Andhra Pradesh have been advised to work in collaboration and take intensified action to stamp out plague focj in these States.]

श्री नवाबसिंह चौहान : ये प्लेग के कीटाणु क्या पहले से मौजूद थे ? जैसा कि कहा गया है कि डी० डी० टी० से इन पर प्रभाव नहीं पड़ता है तो क्या समझ लिया जाय कि ये पहले से मौजूद थे और इनको मारने में डी० डी० टी० नाकामयाब रही ?

डा० सुशीला नायर : प्लेग के कीटाणु आम तौर से चूहे के रक्त में होते हैं, पिस्सू चूहे को काटते हैं और चूहे के रक्त में से प्लेग के जन्तु मनुष्यों के शरीर में दाखिल होते हैं, काटने से और प्लेग फैलता है। तीनों प्रदेशों में, आंध्र प्रदेश, मैसूर और मद्रास जहां जुड़ते हैं वहां एक छोटा सा टुकड़ा है जहां पर कई सालों से थोड़ा सा फोक्स प्लेग का रहा है और अगर वह फोकस नहीं निकाला जाय तो वहां से यह रोग फैल सकता है। इसलिये उस पर खास ध्यान देने का प्रयास किया गया है क्योंकि पिछले दो एक सालों में प्लेग के केसेज की संख्या वहां बढ़ी है।

† [ ] English translation.

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या आप बतला सकती हैं कि वहां थोड़े दिनों से ही जो पिस्सू पैदा हुए हैं तो वह किस कारण से हुए ? यदि नहीं तो कितने दिनों से वह वहां हैं और इन कीटाणुओं को मारने के लिये पहले से प्रयत्न क्यों नहीं किया गया ?

डा० सुशीला नायर : मैंने अर्ज किया कि जब प्लेग सारे देश से निकाल दिया गया मगर इस थोड़े से हिससे में से प्लेग नहीं निकल पाया। किन कारणों से नहीं निकल पाया यह मैं इस समय नहीं कह सकती हूं। उस थोड़े से हिस्से में से और जगह प्लेग न फैले इस खतरे की रोक थाम के लिये हमने इस तरफ विशेष तवज्जह देने की उन राज्य सरकारों को सलाह दी है और उसके लिये कार्यक्रम बनाये हैं।

दिल्ली में स्कूटर रिक्शा

*२. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली में चलने वाले स्कूटर रिक्शाओं में किराया बताने वाले मीटर लगाने की व्यवस्था की जा रही है; और

(ख) यदि हां, तो यह काम कब से प्रारम्भ हो जायेगा; और दिल्ली में किराये पर चलने वाले कितने स्कूटर रिक्शा हैं और उन सब में कब तक ऐसे मीटरों का लगवाना संभव हो सकेगा ?